॥ श्री महावीराय नमः॥

શ્રી ગ્રેટર બોમ્બે વર્ધમાન સ્થાનકવાસી જૈન મહાસંઘ

સંચાલિત

માતુશ્રી મણિબેન મણશી ભીમશી છાડવા ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

१७ जुलाई २०२२ - महिला मंडल **श्रेणी - २** **कुल गुण : १००**

(६०)

प्र. १ (अ) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। **(२४)**

१. ज्ञान ..... काउसग्गं २. सेवणा ..... समत्तस्स ३. खातर ..... जाणी
४. भाडी कम्मे ..... जंत ५. अणुजाणह ..... अप्पकिलंताणं ६. बुद्धाणं ..... मयल
७. समणे ..... साइमं ८. एवा दसमा ..... तं जहा

(ब) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। **(८)**

१. लोग हियाणं २. पयासयरा ३. निंदामि ४. संताणा
५. न तीरियं ६. मव्वाबाह ७. कित्तइस्सं ८. जाणियव्वा

(क) नीचेना शब्दोना मूळ पाठ लखो। **(८)**

१. आपो २. बगासुं आववाथी ३. भगवंतोने ४. मनथी खराब विचार कर्या होय
५. निवर्तुं छुं ६. जिनेश्वर देव ७. सत्कार करुं छुं ८. एक स्थाने स्थिर रहीने

(ड) सामायिकना दोषना आधारे लखो। **(३)**

१. मननो ४ थो २. वचननो ८ मो ३. कायानो १ लो

(इ) नीचेनामां ३२ दोषमांथी कोनो अने कयो दोष छे? ते लखो। **(३)**

१. सामायिकमां बीजा पासे सेवा करावे।
२. सामायिकमां गुस्सो करवो।
३. सामायिकमां कोइने श्वासको पडे तेवुं बोलवुं।

(ई) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(९)**

१. तीर्थंकर भगवान आपणने शुं देनारा छे? (२×२)
२. ईरियावहियाना पाठने बीजुं शुं कहे छे? शा माटे?
३. पापनुं प्रायश्चित्त करवा माटे शुं करवुं जोईए? पाप केटला छे? (१×५)
४. लोगस्समां कोनी स्तुति करवामां आवे छे?
५. दीक्षा कोने कहे छे?
६. सामायिकमां केटली विकथा न कराय? कई कई?
७. शक्रेन्द्र नमोत्थुणंनो पाठ क्यारे बोले छे?

(उ) खाली जग्या पूरो। **(५)**

१. ..... एटले व्रतनी मर्यादा तोडी व्रतनो सर्वथा भंग करवो।
२. ..... एटले भावथी स्मरण करवुं।
३. १८ पापनी प्रवृत्तिने ..... कहे छे।
४. नमोत्थुणं ..... (गद्य) छे।
५. काउसग्ग एटले ..... ने स्थिर राखवुं।

(२०)

प्र. २ (क) संस्कार विभागने आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। (१२)

१. सुख-दु:ख कोना जेवुं नाशवंत छे? (१×८)

२. शत्रुओथी, रोगथी अने तकलीफमां कोण बचावे?

३. आत्मानुं वजन केटलुं? आत्माने केवो स्पर्श नथी?

४. त्रण वंदना हुं क्यारे करीश?

५. दुनियामां मारुं शुं छे?

६. साचुं शरण कोण आपे छे?

७. मोक्षमां शुं होय छे? मोक्षमां आत्मा केवो बनी जाय छे?

८. बधाने मारा मानवाथी शुं थाय छे?

९. ज्ञानवृद्धिनो ८ मो अने १० मो बोल लखो। (२×२)

१०. पांचमो अने चोथो अभिगम लखो।

(ख) जोडका जोडो। (५)

(अ)	(ब)
१. आनंद श्रावक	१. कर्मरहित
२. सिद्ध भगवान	२. सैनिक
३. सचेतनो त्याग	३. अशांति
४. शत्रुओ	४. बार व्रत
५. दु:ख	५. अभिगम

(ग) हुं कोण छुं? मने ओळखो। (३)

१. मारा जेवा विनयवंत बनवुं जोईए।

२. अमे आत्माने जोई शकीए छीए।

३. मने वश करीने अभ्यास करवाथी ज्ञान वधे छे।

(१०)

प्र. ३ वार्ताना आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो।

(क) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। (६)

१. नंदीषेणनी सेवाना वखाण कोणे कर्या? तेमनी परीक्षा करवा कोण आव्युं? तेमणे शुं कर्युं?

२. चंदनबाळाना माता-पिता-नगरीनुं नाम शुं हतुं? तेमनुं पोतानुं नाम शुं हतु? चंदनबाळाने कोणे खरीदीने कोने सोंपी?

३. पार्श्वनाथ भगवाने कोने बचाव्यो? तेने शुं संभळाव्युं? ते मरीने क्यां गयो? तापस मरीने शुं थयो?

(ख) कोण बोले छे कोने कहे छे? (४)

१. नाना मोढे मोटी वात करता तुं क्यांथी शीख्यो?

२. हवे अहीं हुं धर्मध्यान करीश।

३. सेवा करवामां तारुं दु:ख भूलाइ जशे।

४. तमे तो मारा पर अनंत उपकार कर्यो।

(१०)

प्र. ५ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो.

१. लोको कहेता ..... ध्यान छे।

२. परमात्मा ..... मानुं छुं।

३. देह मळ्यो ..... बाळवाना।

४. आचार्य ..... भंडार।

जय जिनेन्द्र